SYLLABUS FOR COMPUTER BASED RECRUITMENT TEST (CBRT)
FOR THE POST OF ASSISTANT PROFESSORS IN GOVERNMENT COLLEGE
(HINDI)
UNDER
DIRECTORATE OF HIGHER EDUCATION
(Advt No. 13 Year 2020)

I. General English including Grammar **- 05 marks**

II. General Knowledge, Current Affairs and Events of National and International Importance **- 10 marks**

III. Logical Reasoning and Analytical Ability **- 10 marks**

IV. Core: **- 50 marks**

प्रपत्र 1

हिंदी साहित्य : आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल
आदिकाल परिवेश एवं प्रवृत्तियां

क- राजनीतिक , सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश
ख-रासो काव्य :परंपरा एवं प्रवृत्तियां
ग- सिद्ध, नाथ , जैन काव्य -काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियां
घ- आदिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

भक्ति का उद्भव एवं विकास

क- राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव
ख- निर्गुण काव्यधारा -संत एवं सूफी काव्य : प्रवृत्तियां
ग- सगुण काव्यधारा :रामभक्ति काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्यधारा: प्रवृत्तियां
घ-भक्तिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

रीतिकाल परिवेश एवं प्रवृत्तियां

क -राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिवेश
ख- रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य, रीतिसिद्ध काव्य
ग - रीतिकाल एवं दरबारी संस्कृति
घ - रीतिकाल की रचनाएं एवं रचनाकार

प्रपत्र 2 -

आधुनिक हिंदी साहित्य (1857 से अब तक)
भाग 1

क- आधुनिक काल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक परिवेश
ख- नवजागरण
ग-समाज सुधारवादी संस्थाएं
ख -आधुनिक काल में कविता का उद्भव एवं विकास तथा रचनाएं एवं रचनाकार
1- भारतेंदु युग , द्विवेदी युग ,छायावाद ,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता

भाग 2

आधुनिक काल में गद्य का उद्भव एवं विकास तथा रचनाएं एवं रचनाकार
1-उपन्यास: उद्भव एवं विकास
2- कहानी: उद्भव एवं विकास
3- नाटक :उद्भव एवं विकास
4- निबंध: उद्भव एवं विकास
5-हिंदी गद्य की अद्यतन विधाएं - आत्मकथा, संस्मरण, जीवनी, रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य - विकास क्रम

प्रपत्र 3

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1- अ- साहित्य एवं काव्य : अवधारणा
एवं स्वरूप , काव्य हेतु एवं प्रयोजन
आ- काव्य के रूप -लक्षण तथा विशेषताएं
-महाकाव्य खंडकाव्य ,गीति काव्य , मुक्तक
इ- रस : अवधारणा एवं स्वरूप
ई- शब्द शक्ति :स्वरूप एवं प्रकार
उ - नाटक: अवधारणा एवं स्वरूप (भारतीय मान्यताओं के आधार पर)

2- भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत: रस ,अलंकार, ध्वनि ,रीति , वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धांत

3- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत :प्लेटो, अरस्तु, लोंजाइनस, कॉलरिज, मैथ्यू अर्नाल्ड , क्रोचे , आई ए रिचर्डस, टी एस इलियट आदि विचारकों के सिद्धांत

प्रपत्र 4

हिंदी साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि

अ- वैदिक दर्शन : वेद, उपनिषद - स्वरूप एवं
तत्व
आ- बौद्ध, जैन दर्शन: स्वरूप एवं तत्व
इ - मार्क्सवाद: स्वरूप एवं तत्व
ई- अस्तित्ववाद :स्वरूप एवं तत्व
उ- मनोविश्लेषण सिद्धांत :स्वरूप एवं तत्व
ऊ- गांधीवादी दर्शन :स्वरूप एवं तत्व

प्रपत्र 5

भाषा विज्ञान

अ- भाषा : अवधारणा, स्वरूप एवं लक्षण
आ- भाषा विज्ञान : अवधारणा एवं स्वरूप
इ- भारत में भाषा चिंतन
ई- भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा
उ- भाषा विज्ञान के अंग
ऊ- भाषा विज्ञान की शाखाएं
ए- ध्वनि विज्ञान , स्वनिम , रूपिम
ऐ- वाक्य : अवधारणा , स्वरुप, प्रकार
ओ- अर्थ संरचना : स्वरूप, अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन ,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

Note:

Duration for C.B.R.T : 75 Minutes

Maximum Marks for C.B.R.T : 75 Marks

Uploaded by GPSC on 09/03/2021